

विचारों का अपहरण

स्वामी विवेकानंद के शिकागो के हुए व्याख्यान की 125 वीं वर्षगांठ पर शिक्षाशास्त्र विभाग में आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन 13 नवंबर 2018 को स्वामी विवेकानंद के विचारों का अपहरण शीर्षक पर कुलपति प्रोफेसर आर.पी. तिवारी की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर अशोक मोडक माननीय कुलाधिपति गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने अपना वक्तव्य दिया संयोजक प्रोफेसर अंबिका दत्त शर्मा डॉ. रानी दुबे एवं सह संयोजक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सराफ डॉ. बुध सिंह ने वक्ता का परिचय, स्वागत एवं आभार प्रदर्शन किया। आपने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को इस शीर्षक का अपना नाम अपहरण क्यों दिया इसकी व्याख्या करते हुए वर्तमान में इनके विचारों की प्रासंगिकता को स्पष्ट किया कुलपति प्रोफेसर तिवारी जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में विवेकानंद जी के विचारों दर्शन से अवगत कराया इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Ravi Dubey
Head
Department of Education
Dr. H. S. Gaur V. V. Sharma

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र)



आमंत्रण



स्वामी विवेकानंद के विश्व प्रसिद्ध 'शिकागो व्याख्यान' के 125 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है। इस सारस्वत आयोजन में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विषय:- स्वामी विवेकानंद के विचारों का अपहरण

मुख्यवक्ता:- प्रो. अशोक मोडक, माननीय कुलाधिपति,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर

अध्यक्षता:- प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी, माननीय कुलपति,
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

समय- 2:00 बजे अपराह्न, 13 NOV. 2018

स्थान- शिक्षा शास्त्र विभाग, सभागार

संयोजक

प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा

डॉ. रानी दुबे

सहसंयोजक

डॉ. धर्मेन्द्र सराफ

डॉ. बुध सिंह